भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1820

(जिसका उत्तर मंगलवार, 02 अगस्त, 2022/11 श्रावण, 1944 (शक) को दिया जाना है)

रुपये की कीमत में गिरावट

1820. श्रीमती फूलो देवी नेतम:

डॉ.एल.हनुमंतय्या:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) हाल ही में रुपये के मूल्य में निरंतर गिरावट के क्या कारण हैं जैसा कि 11 जुलाई, 2022 की स्थिति के अनुसार, रुपये का मूल्य रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच कर एक अमेरिकी डॉलर अस्सी रुपये के बराबर हो गया है;

(ख) सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रुपये की कीमत का अवमूल्यन उलटने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ग) क्या भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा अंतर्वाह को बढ़ावा देने के लिए पूर्व में उठाए गए कदमों से रुपये के मूल्य वृद्धि हुई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के मूल्यह्रास के कारण वैश्विक कारक हैं जैसे रूसयूक्रेन युद्ध-, कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और वैश्विक वित्तीय स्थितियों का कड़ा होना। हालांकि, ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और यूरो जैसी प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले भारतीय रुपया मजबूत हुआ है।

(ख) और (ग): आरबीआई नियमित रूप से विदेशी मुद्रा बाजार की निगरानी करता है और अत्यधिक अस्थिरता की स्थितियों में हस्तक्षेप करता है। इसके अलावा, आरबीआई द्वारा हाल ही में किए गए उपायों में शामिल हैं- 1) वृद्धिशील विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) [एफसीएनआर (बी)] और अनिवासी (विदेशी) रुपया (एनआरई) जमाराशियों को सीआरआर और एसएलआर के रखरखाव से 4 नवंबर 2022 तक की छूट; 2) नए एफसीएनआर (बी) और एनआरई जमाराशियों को ब्याज दरों पर मौजूदा विनियम से छूट, ताकि बैंकों को विदेशी मुद्रा जमाराशियों को आकर्षित करने की दृष्टि से तुलनीय घरेलू रुपया सावधि जमा की पेशकश की तुलना में 31 अक्टूबर, 2022 तक उच्च ब्याज दरें प्रदान करने की अनुमति मिल सके; 3) भारतीय ऋण लिखतों में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए ऋण प्रवाह में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश से संबंधित विनियामक व्यवस्था में संशोधन; 4) 31 दिसंबर, 2022 तक चुनिंदा मामलों में विदेशी वाणिज्यिक उधार सीमा (स्वचालित मार्ग के तहत) को 1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर और समग्र लागत सीमा को 100 बीपीएस तक बढ़ाना; 5) प्राधिकृत व्यापारी श्रेणी-I (एडी कैट-I) बैंकों को विदेशी वाणिज्यिक उधारों के लिए निर्धारित नकारात्मक सूची के अधीन, अंतिम उपयोग उद्देश्यों के व्यापक समुच्चय के लिए संस्थाओं को विदेशी मुद्रा में उधार देने के लिए विदेशी मुद्रा उधार का उपयोग करने की अनुमति देना।

इसके अतिरिक्त, भारत से निर्यात के विकास को बढ़ावा देने और भारतीय रुपये में वैश्विक व्यापारिक समुदाय की बढ़ती रुचि का समर्थन करने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक ने 11 जुलाई, 2022 को भारतीय रुपये (आईएनआर) में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार निपटान पर अपने परिपत्र के माध्यम से भारतीय रुपये में चालान, भुगतान और निर्यात/आयात के निपटान के लिए एक अतिरिक्त व्यवस्था करने का निर्णय लिया है।

1 जुलाई, 2022 को अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपये की विनिमय दर 79.01/ अमेरिकी डॉलर थी जो 21 जुलाई 2022 को घटकर रु.79.98/अमेरिकी डॉलर हो गई। 26 जुलाई, 2022 की स्थिति के अनुसार इसका मूल्य बढ़कर रु. 79.79/अमेरिकी डॉलर हो गया।

****